स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर रक्षा मंत्री श्री मनोहर पर्रीकर द्वारा सशस्त्र सेना के कार्मिकों के लिए आकाशवाणी से प्रसारित किए जाने वाले समारोहिक भाषण का मसौदा

मेरे प्रिय जवानो, कल हम अपने राष्ट्र का 70वां स्वाधीनता दिवस मनाने जा रहे हैं । इस अवसर पर मैं सेना, नौसेना, वायुसेना और तटरक्षक बल में कार्यरत प्रत्येक जवान को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ । मैं सभी वरिष्ठ और पूर्व सैनिकों व उनके परिवारों को भी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ ।

2. आपको संबोधित करते हुए मेरी संवेदनाएं उन वीर शहीदों के प्रियजनों के साथ है जिन्होंने देश की रक्षा के लिए कर्त्तव्य पथ पर अपने प्राणों का बलिदान कर दिया । हम आपके द्वारा किए गए सर्वोच्च बलिदान के लिए हमेशा आभारी रहेंगे । चूंकि आप राष्ट्र की रक्षा व्यवस्था के अग्रणी नायक हैं, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि आपके मनोबल को ऊंचा रखने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है ।

3. हाल ही में, पोर्ट ब्लेयर की उड़ान पर गया ए एन-32 विमान बंगाल की खाड़ी से लापता है । भारतीय वायुसेना द्वारा संचालित यह कुरियर सेवा विमान सप्ताह में तीन दिन ताम्बरम से पोर्ट ब्लेयर तक जाता था । इस विमान में चालक दल के 6 सदस्य और 23 रक्षा सेवा कार्मिक सवार थे । विमान के लापता होने की सूचना मिलते ही नौसेना,

वायुसेना एवं तटरक्षक के संसाधनों को विमान को ढूढ़ने एवं बचाव कार्य में लगा दिया गया ।

विमान में सवार चालक दल के सदस्यों और रक्षा सेवा कार्मिकों के रिश्तेदारों को सूचित कर दिया गया है और नामित अधिकारी उन्हें इससे संबंधित सूचना से लगातार अपडेट कर रहे हैं । सभी स्रोतों से प्राप्त जानकारियों को पोतों और विमानों के माध्यम से जांच पड़ताल की जा रही है परंतु मित्रों, यह घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि लापता विमान के बारे में अभी तक कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला है ।

अनिश्चितता की इस घड़ी में, हम सभी, विमान में सवार रक्षा कार्मिकों के रिश्तेदारों के दुख-दर्द में शामिल हैं और मैं आपको विश्वास दिला रहा हूँ कि लापता विमान का पता लगाने के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है ।

4. पठानकोट एयरबेस पर सीमा पार से आए हथियारबंद आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले के विरूद्ध आपके द्वारा की गई साहसिक कार्रवाई की पूरे देश ने प्रशंसा की । मैं इस हमले को विफल करने में वायुसेना के लड़ाकों और सुरक्षा बलों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करता हूँ । इस जवाबी हमले के दौरान राष्ट्र के निमित्त अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले सात वीर जवानों के शहादत से मुझे गहरी संवेदना है ।

5. कश्मीर घाटी में भारी उत्तेजना से उत्पन्न अशांति को सफलतापूर्वक काबू करने के लिए हमारे सशस्त्र सेनाओं की सभी ने सराहना की । आपने जम्मू एवं कश्मीर में शस्त्र विराम उल्लंघन और आतंकवादियों द्वारा देश में की जा रही घुसपैठ के प्रयासों को प्रभावी तरीके से रोकने में कामयाबी हासिल की ।

6. पहले की भांति, आप भारत और विदेशी सरजमीं पर राहत एवं बचाव कार्यों में हमेशा आगे रहे हैं । जहां एक ओर सशस्त्र सेनाओं ने चेन्नई और गुजरात के बाढ़ पीड़ितों को राशन पहुंचाया और भारतीय एवं विदेशी नागरिकों को सुदूर दक्षिण सूडान से सुरक्षित निकाला वहीं चक्रवात प्रभावित पड़ोसी श्रीलंका को भी मदद प्रदान की । आपने अपनी परवाह किए बगैर उन्हें भोजन,दवाईयाँ और चिकित्सा उपलब्ध कराया । उत्तराखंड की पहाड़ी जंगलों में लगी भीषण आग को बुझाने में आपके बहादुरी भरे प्रयासों को पूरे देश ने देखा । आपके इन प्रयासों के लिए मेरी ओर से विशेष धन्यवाद ।

7. प्रिय जवानो, सरकार पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है । हमारी सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए एक रैंक एक पेंशन (ओ आर ओ पी) को गत वर्ष नवंबर से लागू कर सशस्त्र सेना कार्मिकों की काफी अरसे से लंबित मांग को पूरा किया जिससे 20 लाख से ज्यादा पूर्व सैनिक पेंशनरों को फायदा हुआ । मुझे यह उल्लेख करते हुए अत्यंत गर्व हो रहा है कि अब तक 18,90,635 रक्षा पेंशन

धारकों को पेंशन और एरियर के रूप में 3819.33 करोड़ रुपए की राशि वितरित कर दी गई है ।

8. हमारी सरकार सशस्त्र सेना कार्मिकों को गुणता एवं किफायती चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए विशेष उपाय कर रही है । स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने के लिए, हमने कर्मचारी अंशदान स्वास्थ्य योजना (ई सी एच एस) के तहत इसका पूर्ण रूप से डिजिटीकरण कर दिया है । ई सी एच एस के तहत कुल 47 लाख लाभार्थियों को शामिल किया गया है । इस योजना के माध्यम से 28 क्षेत्रीय केंद्र चल रहे हैं । ई सी एच एस लाभार्थियों को नकदी रहित चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए कुल 1445 सिविल अस्पतालों का पैनल बनाया गया है ।

9. सरकार पूर्व सैनिकों और उनके परिवार के सदस्यों के कल्याण के लिए हर संभव कदम उठा रही है । इस वर्ष 01 अप्रैल से पूर्व सैनिकों की दो बेटियों के लिए विवाह मंजूरी राशि को संशोधित कर 16000रु. से 50000रु. कर दिया गया है । प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना (पीएमएसएस) के तहत अकादमिक वर्ष 2015-2016 से लड़कों एवं लड़कियों के लिए छात्रवृत्ति राशि में बढ़ोतरी कर एकसमान करते हुए इसे 4000रु. से बढ़ाकर 5500रु. कर दिया गया है । इस स्कीम का लक्ष्य पूर्व सैनिकों/पूर्व-तटरक्षकों के आश्रितों को उच्चतर तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा के लिए बढ़ावा देना है ।

10. देश की अग्रणी सीमाओं और अत्यधिक ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों जैसी विषम परिस्थितियों में तैनात जवानों की परेशानियों और परिवार से लंबे समय तक अलगाव की व्यथा को समझते हुए मैंने मंत्रालय से वैवाहिक आवास परियोजना (एम ए पी) को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के लिए कहा है । इसके तहत विवाहित जवानो के लिए उनकी तैनाती स्थल के पास लगभग दो लाख आवासीय युनिटें उपलब्ध होंगी । एम ए पी के तीसरे एवं आखिरी चरण के जल्द ही लागू होने से 71,000 और आवासीय इकाईयां प्रदान की जाएंगी ।

11. सरकार राष्ट्रीय सीमा पर लगातार चौकसी बनाए रखने की आवश्यकता के प्रति सचेत है । इसीलिए युद्धक तंत्र को हमेशा तैयार रहने की जरुरत है ताकि सैन्य टुकड़ियों को अल्प समय के नोटिस पर अग्रणी इलाकों में तैनात किया जा सके । इसके साथ-साथ युद्धक प्रणाली और उपकरण को निरंतर अपग्रेड करने और आधुनिक बनाने की जरुरत है । सरकार ने अर्जन प्रक्रिया को सरल और कारगर बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं । साथ ही ज्यादा से ज्यादा पारदर्शिता लाने और लालफीताशाही पर रोक लगाने को प्राथमिकता दी जा रही है । मुझे विश्वास है कि इससे आपको कम समय में रक्षा प्रणालियों और उच्च स्तरीय शस्त्रों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी ।

12. हमारे वैज्ञानिकों द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित और यथा अपेक्षित 155 एम एम हाविज्जर गन **"धनुष"** से अग्रणी मोर्चों पर तैनात हमारे

जवान निर्भयता से सैन्य कार्रवाई में समर्थ होंगे । इस उन्नत गन को अब प्रयोक्ता परीक्षण के लिए सेना को सौंप दिया गया है । यह हमारी सेना की गोलाबारी शक्ति को काफी बढ़ायेगा ।

13. भारतीय वायुसेना ने इतिहास रचते हुए तीन महिला लड़ाकू पायलटों को फाईटर स्ट्रीम में शामिल किया है । इस यादगार अवसर पर, मैं इस क्रांतिकारी कदम उठाने के लिए भारतीय वायुसेना को सैल्यूट करता हूँ ।

14. हाल ही में स्वदेशी रूप से डिजायन, विकसित एवं निर्माण की गई हल्के भार के विविध भूमिका वाले लड़ाकू विमान तेजस को भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया है । तेजस के पहले स्क्वाड्रन के फार्मेशन का कार्य चल रहा है । यह उन्नत ध्वनिकी युक्त हल्के भार का लड़ाकू विमान है । मैं आशा करता हूं कि इन नए विमानों से वायु सेना के फाईटरों को वायु रक्षा एवं इसकी मारक क्षमता को मजबूती प्रदान करने में मदद मिलेगी ।

15. मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड मुंबई में निर्मित स्कोर्पिन वर्ग के पनडुब्बियों का पहला सीरिज “आई एन एस- कलवेरी” का समुद्री परीक्षण 01 मई 2016 को आरंभ किया गया । भारतीय नौसेना ने स्वदेशी रूप से डिजायन एवं निर्मित कोलकाता-क्लास गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रायर का दूसरा पोत “आई एन एस कोच्चि”, प्रोजेक्ट 28 क्लास एंटी-सबमरीन वारफेयर कोरवेट का दूसरा पोत “आई एन एस कदमत्त”

और हाईली मनूवरेबल फास्ट अटैक क्राफ्ट “आई एन एस तर्मुग्ली” को भी कमीशन किया है ।

16. भारत के “एक्ट इस्ट पालिसी” और भारत के साथ अमेरिका एवं जापान के बीच बढ़ते संबंधों के अनुरूप हमारे नौसेना के पोतों ने प्रशांत महासागर में अमेरिकी नौसेना एवं जापान की मैरीटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स के साथ मालाबार युद्धाभ्यास के 20वें संस्करण में हिस्सा लिया । इस युद्धाभ्यास से तीनों नौसेनाओं के बीच बेहतर तालमेल विकसित करने में मदद मिली है, जिससे रक्षा सहयोग विकसित करने में भारत के प्रयासों को बल मिलेगा।

17. डिजिटल वर्ल्ड की चुनौतियों का सामना करने और तीनों सेनाओं के संचार नेटवर्क को निर्बाध रूप से कार्य करने के लिए हमने कई कदम उठाए हैं । हाल ही में हुए रक्षा संचार नेटवर्क (डी सी एन) के उद्घाटन से यह संचार प्रणाली सामूहिक साझेदारी की सुविधा उपलब्ध कराएगी । डी सी एन के लागू होने से भारतीय उद्योग की मजबूती का प्रमाण मिलेगा जो कि सरकार की डिजिटल इंडिया कार्यक्रम की दृढ़ता की पुष्टि करता है । यह तीनों सेनाओं, एकीकृत रक्षा स्टाफ एवं स्ट्रेटेजिक फोर्सेस कमांड के बीच नेटवर्क केंद्रियता के लिए भी महत्वपूर्ण कदम है ।

18. मैं रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के वैज्ञानिकों, तकनीकी विशेषज्ञों और अन्य रक्षा संबधी संस्थानों को उनके शानदार कार्य के

लिए बधाई देता हूँ, जिन्होंने सशस्त्र सेनाओं को स्वदेशी तौर पर विकसित व अत्याधुनिक शस्त्रों और उपस्करों से लैस किया है ।

19. इन्हीं शब्दों के साथ, मैं स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर एक बार फिर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं । आइए आज स्वाधीनता दिवस के इस अवसर पर हम सब शपथ लें कि एक सुनहरे और शानदार भविष्य के लिए, हम अपनी पूरी शक्ति और क्षमताओं के साथ अपनी मातृभूमि की सेवा करेंगे ।

20. जय हिन्द !